

आज 15/01/2023 महानगर

आलू की फसल को पछेती व झुलसा रोगों से बचाएं

□ फसल पर दवा का छिड़काव करें किसान

कानपुर, 14 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने आलू फसल में पछेती, झुलसा रोग के प्रबंधन के लिए किसान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि मौसम में त्वरित बदलाव के कारण फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि आलू फसल में पछेती और झुलसा रोग और माहूँ जैसे कीट तीव्र गति से बढ़ सकते हैं। जिससे आलू की फसल को नुकसान होने की संभावना है। अतः किसान भाई पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोजेब 0.2 प्रतिशत के मिश्रण का तुरंत फसल पर छिड़काव कर दें। वैज्ञानिक डॉ. अजय



कुमार सिंह ने किसानों को सलाह दी है कि वायरस रोग का प्रसार सफेद मक्खी द्वारा होता है। अतः रोग को एक पौधे से दूसरे पौधों पर स्थानांतरण को रोकने एवं माहूँ कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03 प्रतिशत घोल को कवकनाशी

साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोजेब 0.2 के मिश्रण के साथ ही मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर सिंह ने किसानों को सलाह दी है कि जब तक मौसम में बदली और उतार-चढ़ाव रहे तब तक आलू की फसल की देखरेख अत्यंत आवश्यक है।

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लखनऊ वर्ष: 14 | अंक: 95 | मूल्य: ₹ 3.00/- पेज : 12 | रविवार | 15 जनवरी, 2023

आलू की फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन के सम्बंध में एडवाइजरी जारी

जन एक्सप्रेस। **कानपुर नगर**

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने बीते दिन शनिवार को किसानों के लिए आलू फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन पर एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि मौसम में त्वरित बदलाव के कारण आलू फसल में पछेती झुलसा रोग और माहूँ जैसे कीट बढ़ सकते हैं।

उन्होंने किसानों को पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन के लिए कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोजेब के 0.2 फीसदी मिश्रण का फसल पर तुरंत छिड़काव करने की सलाह दी।



उन्होंने बताया कि वायरस रोग का प्रसार सफेद मक्खी द्वारा होता है और इस रोग कि एक पौधे से दूसरे पौधों पर स्थानांतरण रोकने एवं माहूँ कीट के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 0.03 फीसदी घोल को कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोजेब 0.2 फीसदी के मिश्रण के साथ ही मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने मौसम में बदली और उतार-चढ़ाव रहने पर आलू की फसल की देखरेख की सलाह दी।



आलू फसल को रोगों से बचाएं: डॉ.ए.के.सिंह

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने आलू फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु किसान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि मौसम में त्वरित बदलाव के कारण फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि आलू फसल में पछेती झुलसा रोग और माहूँ जैसे कीट तीव्र गति से बढ़ सकते हैं। जिससे आलू की फसल को नुकसान होने की संभावना है। अतः किसान भाई पछेती

झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु कवकनाशी साईमॉक्सिनिल एवं मैनकोजेब 0.2त्र के मिश्रण का तुरंत फसल पर छिड़काव कर दें। वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को सलाह दी है कि वायरस रोग का प्रसार सफेद मक्खी द्वारा होता है।

अतः रोग को एक पौधे से दूसरे पौधों पर स्थानांतरण को रोकने एवं माहू कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03त्र घोल को कवकनाशी साईमॉक्सिनिल एवं मैनकोजेब 0.2त्र के मिश्रण के साथ ही मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर सिंह ने किसानों को सलाह दी है। कि जब तक मौसम में बदली और उतार-चढ़ाव रहे तब तक आलू की फसल की देखरेख अत्यंत आवश्यक है।



अमर उजाला ब

न्यूज डायरी

आलू की फसल को रोगों से बचाएं

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने शनिवार को आलू की फसल को रोगों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की। बताया कि मौसम में बदलाव के कारण आलू की फसल में पछेती झुलसा रोग और माहू जैसे कीट बढ़ सकते हैं। पछेती झुलसा रोग से फसल को बचाने के लिए कवकनाशी साईमॉक्सीनिल और मैनकोजेब 0.2 प्रतिशत के मिश्रण का छिड़काव कर दें। वायरस रोग का प्रसार सफेद मक्खी से होता है। रोग को एक पौधे से दूसरे पौधे पर स्थानांतरण को रोकने और माहू कीट के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 0.03 प्रतिशत धूल को कवकनाशी साईमॉक्सीनिल और मैनकोजेब 0.2 प्रतिशत के मिश्रण के साथ मिलाकर छिड़काव करें। (संवाद)

15/01/2023



CSA University organizes 24th convocation

The program of 24th convocation ceremony was organized in the auditorium hall (Kailash Bhavan) of Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur under the chairmanship of Chancellor Anandiben Patel, Governor of Uttar Pradesh. Medals and prizes were given to 60 meritorious students on this occasion. A total of 577 students were given degrees. The Chancellor's Gold Medal was awarded to 14 best performing students and University Silver Medal to 14 boys, University Bronze Medal to 14 boys and Sponsored Gold Medal to 18 boys and girls. State Governor and Chancellor Anandiben Patel, Chief Guest Professor Ramesh Chandra Member NITI Aayog New Delhi and special guest Surya Pratap Shahi Minister Agriculture, Agricultural Education and Research, Government of Uttar Pradesh and Minister of State for Agriculture, Agricultural Education and Research Baldev Singh Aulakh and Vice Chancellor of the University Dr. D.R. Singh gave away medals to the meritorious students.

आलू फसल को रोगों से बचाएं- डॉ.ए.के.सिंह

स्वतंत्र भारत संवाददाता कानपुर ।
सीएसए के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान
केंद्र दलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक
डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने आलू फसल
में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु
किसान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी की
है। उन्होंने बताया कि मौसम में त्वरित
बदलाव के कारण फसलों पर प्रतिकूल
प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि आलू
फसल में पछेती झुलसा रोग और माहू
जैसे कीट तीव्र गति से बढ़ सकते हैं।
जिससे आलू की फसल को नुकसान होने
की संभावना है। अतः किसान भाई पछेती
झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु कवकनाशी
साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोजेब ७२: के
मिश्रण का तुरंत फसल पर छिड़काव कर
दें। वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने
किसानों को सलाह दी है कि वायरस
रोग का प्रसार सफेद मक्खी द्वारा होता
है। अतः रोग को एक पौधे से दूसरे पौधों
पर स्थानांतरण को रोकने एवं माहू कीट
के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड ७३: घोल
को कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं
मैनकोजेब ७२: के मिश्रण के साथ ही
मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर सिंह ने
किसानों को सलाह दी है। कि जब तक
मौसम में बदली और उतार-चढ़ाव रहे
तब तक आलू की फसल की देखरेख
अत्यंत आवश्यक है।